खंड १ संख्या ३४

बिहार विधान सभा वादवृत्त

मंगलवार, तिथि १ जुलाई, १९५२

Vol. I. No. 34

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report

Tuesday, the 1st July, 1952.

अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, बिहार,
रांची।
१९५३।

[मूल्य—६ आना।]
[Price—Annas 6.]

पुलिस सब-इन्सपेक्टर के ऊपर घूसखोरी का इलजाम।

१२४। श्री भोला सरदार—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि श्री रफिक आलम, पुलिस सब-इन्सपेक्टर के ऊपर (जो त्रिवेणीगंज थाने, जिला सहरसा में थे) घूसखोरी का इलजाम है और इस सम्बन्ध में जाँच-पड़ताल चल रही है ;

(ख) जाँच-पड़ताल किस अवस्था में है ;

(ग) क्या यह बात सही है कि उनकी बदली का आदेश हो चुकने पर भी उन्होंने करीब डेढ़-दो महीने तक थाना नहीं छोड़ा, क्योंकि थाने में मौजूद रहने से उनके खिलाफ गवाह देने की हिम्मत लोग नहीं कर सकते थे और कार्रवाई करना नहीं चाहते थे ;

श्री कृष्णवल्लभ सहाय—(क) उत्तर हाँ है। जुडिसियल इन्क्वारी हो रही है।

(ख) मजिस्ट्रेट ने अपना फैसला नहीं दिया है।

(ग) (*i*) उनका ट्रान्सफर बहुत से ट्रान्सफर्स के साथ सम्बन्धित है। वे अपने रिलिविंग ऑफिसर की प्रतीक्षा कर रहे थे। एस० पी० के आर्डर को उन्होंने डिसओबे नहीं किया था।

(*ii*) यह प्रश्न नहीं उठता है क्योंकि यह कोर्ट के जेरे तजवीज है।

श्री कमलेश्वरी प्रसाद यादव—क्या उनकी बदली मुरलीगंज थाने में हुई है ?

श्री कृष्णवल्लभ सहाय—सरकार को इसकी खबर नहीं है। लेकिन उनकी बदली होने वाली थी और जरूर हुई होगी। लेकिन इस सम्बन्ध में जो देरी हुई है उसके लिये उनसे और एस० पी० से कैफियत मांगी गई है।

श्री कमलेश्वरी प्रसाद यादव—क्या मुरलीगंज थाने में भी उनके खिलाफ वातावरण फैला हुआ है और राष्ट्रवाणी में भी उनके खिलाफ निकला है ?

अध्यक्ष—यह प्रश्न नहीं उठता है।

मजदूरों को रोजी देने के लिए सड़क बनवाना।

१२५। श्री भोला सरदार—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि गत वर्ष सहरसा जिला बोर्ड के जरिये मजदूरों को रोजी देने के लिए, जो सड़क इत्यादि बनवाया गया था, उस सम्बन्ध का कई लाख रुपया सरकार ने अभी तक नहीं दिया है ;